

# डॉ. गैरी येट्स, बुक ऑफ द 12, सत्र 1, भविष्यवक्ताओं का मंत्रालय और संदेश, भाग 1

© 2024 गैरी येट्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी येट्स द्वारा लघु भविष्यवक्ताओं पर व्याख्यान श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान है। यह व्याख्यान 1 है, भविष्यवक्ताओं का मंत्रालय और संदेश।

मैं आपको छोटे भविष्यवक्ताओं के हमारे अध्ययन में स्वागत करना चाहता हूँ। मैं डॉ. गैरी येट्स हूँ। मैं लिंचबर्ग में लिबर्टी बैपटिस्ट थियोलॉजिकल सेमिनरी में ओल्ड टेस्टामेंट स्टडीज का प्रोफेसर हूँ।

मैं इस अध्ययन को लेकर उत्साहित हूँ। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। मैं लिबर्टी में छोटे भविष्यवक्ताओं को पढ़ाता हूँ, और मैं लोगों को ऑनलाइन भी इसका अध्ययन करने का अवसर प्रदान करने के लिए उत्साहित हूँ।

पुराने नियम के प्रोफेसर के रूप में अपने काम के बारे में मुझे जो चीज़ें सबसे ज़्यादा पसंद हैं, उनमें से एक यह है कि मुझे अक्सर बाइबल के उन हिस्सों को पढ़ाने का अवसर मिलता है, जिन पर हम चर्च में ज़्यादा ध्यान नहीं देते या जिनसे लोग ज़्यादा परिचित नहीं हैं। और इसलिए, अगर 12 की किताब या छोटे भविष्यवक्ताओं की किताब शास्त्र का हिस्सा है जिसका आपने अध्ययन नहीं किया है, तो मैं प्रार्थना करता हूँ कि हमारे व्याख्यान और इन किताबों में हमारे पास जो समय है, वह आपके लिए योगदान देगा। मैं डॉ. टेड हिल्डेब्रांट का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इस मंत्रालय में शामिल होने का अवसर दिया।

उनका दिल और उनका जुनून लोगों को ऐसी सामग्री उपलब्ध कराना है जिससे वे खुद बाइबल का अध्ययन कर सकें। इंटरनेट हमें ऐसा करने के लिए एक बेहतरीन माध्यम और साधन देता है। और इसलिए, यदि आप एक सेमिनरी छात्र हैं जो पुराने नियम से परिचित हो रहे हैं, यदि आप एक पादरी हैं जिसके पास औपचारिक कक्षाओं में इन पुस्तकों का अध्ययन करने के लिए संसाधन या अवसर नहीं हैं, यदि आप दुनिया के किसी ऐसे हिस्से में हैं जहाँ उस तरह की शिक्षा उपलब्ध नहीं है, तो यह अध्ययन विशेष रूप से आपके लिए है।

और मैं प्रार्थना कर रहा हूँ कि परमेश्वर उसके वचन को आशीर्वाद दे और उसका सम्मान करे। आठ साल तक पादरी और फिर पिछले 14 साल से प्रोफेसर होने के नाते, मैं और अधिक आश्चर्य हो रहा हूँ कि आज चर्च में सबसे बड़ी ज़रूरतों में से एक परमेश्वर के वचन की गहरी और पूरी समझ है। मुझे लगता है कि हमने जो कुछ किया है, उनमें से एक यह है कि हमने कई मायनों में शास्त्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और हमारे मंत्रालय की आधारशिला के रूप में इसके महत्व को त्याग दिया है।

मुझे अपने शिक्षण और उपदेशों में यह एहसास हुआ है कि मेरे पास लोगों के जीवन को बदलने की क्षमता नहीं है, लेकिन परमेश्वर का वचन है और यह शक्तिशाली है। और छोटे भविष्यवक्ता

शक्तिशाली हैं। मुझे 1986 में डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी में एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम में उनका अध्ययन करने का अवसर मिला था।

मुझे न केवल इन पुस्तकों से प्यार हो गया, बल्कि मुझे भविष्यवक्ताओं के परमेश्वर से भी प्यार हो गया। अंततः, मुझे आशा है कि ये पुस्तकें आपको परमेश्वर को अधिक गहराई से जानने, उससे प्रेम करने और उसकी सेवा करने में मदद करेंगी। मैं इस अध्ययन की शुरुआत भविष्यवक्ताओं की सेवकाई के बारे में थोड़ी बात करके करना चाहता हूँ, वे कौन थे, उन्होंने क्या भूमिका निभाई, परमेश्वर ने उन्हें क्या मिशन दिया, और अंततः, पुराने नियम में उन्होंने जो योगदान दिया।

मेरा मानना है कि ईसाई होने के नाते यीशु को जानने के लिए कि वह कौन है और उसने हमारे लिए क्या किया है और हमारे जीवन में उसका क्या स्थान है, हमें पुराने नियम को जानना होगा। अपने पुनरुत्थान के बाद, यीशु इम्माऊस के रास्ते पर अपने दो शिष्यों से मिले, लूका 24। उन्होंने उसे पहचाना नहीं।

वे नहीं जानते थे कि वह मृतकों में से वापस आ गया है। और वे निराश थे, और वे निराश थे। और उन्होंने यीशु से कहा, हमें उम्मीद थी कि यीशु मसीहा था और उसे क्रूस पर चढ़ाया गया है।

वह मर चुका है। हमारी उम्मीदें धराशायी हो गई हैं। यीशु ने उस अवसर का उपयोग पुराने नियम को लेकर इन शिष्यों को यह दिखाने के लिए किया कि उसके लिए कष्ट सहना, मृतकों में से जी उठना और फिर महिमान्वित होना क्यों आवश्यक था।

ल्यूक में कहा गया है कि उसने पुराने नियम के तीन भागों, व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं और भजनों से शुरुआत की, और उसने उन्हें व्यवस्थित रूप से सिखाया और उन्हें यह जानने में मदद की कि वह कौन था और उसका मिशन क्या था। मेरा मानना है कि पुराने नियम के भविष्यवक्ता हमें यीशु की भूमिका और मिशन के बारे में एक अनूठी समझ देते हैं। बिना किसी पृष्ठभूमि के, पुराने नियम की समझ के बिना, नए नियम में जाने की कोशिश करना और यह समझना कि यीशु कौन है और उसने कई तरीकों से क्या किया, नाटक के तीसरे भाग या किसी फिल्म के अंतिम घंटे में चलने जैसा है।

पुराना नियम मंच तैयार करता है और हमें यह समझने में मदद करता है कि कैसे यीशु बाइबल की पूरी कहानी का लक्ष्य और पूर्ति है। जब मैं भविष्यवक्ताओं की सेवकाई और पुराने नियम में उनके द्वारा किए गए कार्य को देखता हूँ, तो अंततः यीशु ही परमेश्वर के अंतिम भविष्यवक्ता हैं। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक कहती है कि प्रभु इस्राएल में मूसा जैसा एक भविष्यवक्ता खड़ा करने जा रहा है।

प्रेरितों के काम अध्याय 3 पद 22 में इसकी अंतिम पूर्ति यह है कि यीशु ही वह भविष्यवक्ता है जिसका वादा परमेश्वर ने किया था। कई मायनों में, जब वह आया और उसने सिखाया और परमेश्वर के राज्य के बारे में प्रचार किया तो उसका मंत्रालय एक भविष्यवक्ता का मंत्रालय था। एक बार जब यीशु ने अपने शिष्यों से पूछा, लोग मुझे कौन कहते हैं? उन्होंने उत्तर दिया, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, एलिय्याह, यिर्मयाह, भविष्यवक्ताओं में से एक।

उन्होंने उसे इस तरह से इसलिए समझा क्योंकि यीशु के पास एक भविष्यवक्ता की सेवकाई थी। वह एक भविष्यवक्ता से बढ़कर था। वह परमेश्वर का पुत्र था।

वह मसीहा थे, लेकिन ईश्वर का भविष्यवक्ता और संदेशवाहक होना उनकी सेवकाई और उनके संदेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। जब यीशु खड़े हुए, और उन्होंने यरूशलेम पर रोते हुए कहा, तुम्हारा घर उजाड़ दिया गया है, और उन्होंने भविष्यवाणी की कि मंदिर नष्ट कर दिया जाएगा और एक भी पत्थर दूसरे के ऊपर नहीं छोड़ा जाएगा, तो कई मायनों में, वह यिर्मयाह या यहजेकल की भूमिका निभा रहे थे, उन्हें चेतावनी देते हुए कि एक और निर्वासन होने वाला था, एक और न्याय उस समय से पहले जब ईश्वर अंततः अपना राज्य लाएगा। यदि हम ईश्वर के अंतिम भविष्यवक्ता के रूप में यीशु द्वारा निभाई गई भूमिका को समझना चाहते हैं, तो इब्रानियों 1 कहता है कि ईश्वर ने अपने लोगों से कई अलग-अलग तरीकों से कई अलग-अलग समय पर बात की, लेकिन इन अंतिम दिनों में, उन्होंने अपने बेटे के माध्यम से हमसे बात की है।

यीशु को भविष्यवक्ताओं की सेवकाई में भूमिका की परिणति के रूप में समझना हमें उसे जानने और उसे बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। यह हमें यीशु के संदेश के प्रति हमारी अपनी प्रतिक्रिया की तात्कालिकता और दूसरों को उस भविष्यसूचक संदेश को संप्रेषित करने की हमारी ज़िम्मेदारी की तात्कालिकता की याद दिलाता है। यदि हम पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं को उचित तरीके से पढ़ने, व्याख्या करने और लागू करने जा रहे हैं, तो मुझे लगता है कि हमारे लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि वे कौन थे और उनका संदेश और उनका मिशन और सेवकाई क्या थी।

पहली बात जिस पर मैं इस पाठ में ज़ोर देना चाहता था, वह यह है कि भविष्यवक्ता वे लोग थे जिन्हें परमेश्वर ने एक विशिष्ट सेवकाई और संदेश के लिए बुलाया था। वास्तव में, पुराने नियम में भविष्यवक्ता के लिए शब्द, नबी, समानार्थी साक्ष्य हमें यह समझने में मदद करता है कि उस शब्द का संभावित अर्थ यह है कि यह एक व्यक्ति है जिसे बुलाया गया है। यह एक बुलाया हुआ व्यक्ति है।

और इसलिए, भविष्यवक्ताओं पर परमेश्वर का बुलावा सिर्फ एक इच्छा या भावना नहीं है कि उन्हें परमेश्वर की सेवा करनी है। परमेश्वर ने प्रत्यक्ष और श्रव्य रूप से इन लोगों से बात की और उन्हें एक विशिष्ट मिशन और सेवकाई के लिए बुलाया। मुझे याद है जब मैं हाई स्कूल में था, मैं कॉलेज में अपने भविष्य के बारे में निर्णय ले रहा था, और मुझे यह विचार आने लगा कि परमेश्वर मुझे सेवकाई के लिए बुला रहा है, लेकिन भविष्यवक्ताओं का बुलावा उससे भी ज़्यादा निश्चित है क्योंकि परमेश्वर उनके सामने प्रकट हुआ, परमेश्वर ने उनसे बात की, और उसने उन्हें एक प्रवक्ता बनने के लिए बुलाया।

हम यशायाह के छठे अध्याय में इस बारे में बात करते हुए अंश देखते हैं। यशायाह को परमेश्वर का दर्शन, परमेश्वर की पवित्रता दिखाई देती है, और प्रभु राजा के रूप में अपनी महानता प्रकट करते हैं, और सिंहासन के चारों ओर सेराफिम कहते हैं, पवित्र, पवित्र, पवित्र सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर है। और एक सवाल है: कौन जाएगा और हमारे लिए बोलेगा? और यशायाह कहता है, मैं यहाँ हूँ, मुझे भेजो।

यिर्मयाह अध्याय एक में, परमेश्वर ने भविष्यवक्ता यिर्मयाह को इस्राएल और राष्ट्रों के लिए भविष्यवक्ता बनने के लिए बुलाया। इस पर यिर्मयाह का जवाब है, आह, प्रभु परमेश्वर, मैं तो एक बच्चा हूँ। मैं बोलना नहीं जानता।

परमेश्वर कहता है, यिर्मयाह, मैं अपने शब्द तुम्हारे भीतर डालूँगा, और तुम बोलने में सक्षम हो जाओगे, और मैं तुम्हें उस विरोध के विरुद्ध मजबूत बनाऊँगा जो तुम्हारे रास्ते में आने वाला है। भविष्यवक्ता यहजेकेल की सेवकाई में, उसकी सेवकाई तब शुरू होती है जब परमेश्वर उसे बेबीलोन में निर्वासन में इस शक्तिशाली रथ दर्शन में दिखाई देता है। परमेश्वर इस तूफान में प्रकट होता है, और यहजेकेल परमेश्वर की उपस्थिति से अभिभूत हो जाता है।

इससे यह समझ में आता है कि परमेश्वर की सामर्थ्य और परमेश्वर की शक्ति और परमेश्वर की उपस्थिति उसे उस सेवकाई को पूरा करने और उसे पूरा करने में मदद करेगी। इसलिए, भविष्यवक्ताओं में हमेशा एक मजबूत भावना होती है कि परमेश्वर ने उन्हें इस मिशन के लिए बुलाया है। हमारे पास भविष्यवक्ता आमोस के बुलावे में छोटे भविष्यवक्ताओं में इसका एक उदाहरण है।

और आमोस के सातवें अध्याय की आयत 14 में आमोस कहता है, मैं कोई भविष्यवक्ता नहीं था। मैं किसी भविष्यवक्ता का बेटा नहीं था, बल्कि मैं एक चरवाहा और गूलर के पेड़ों का संग्रहकर्ता था। आमोस के कथन, मैं न तो कोई भविष्यवक्ता था और न ही किसी भविष्यवक्ता का बेटा, की कई तरह से व्याख्या की गई है।

लेकिन इसका मतलब यह है कि मैं कोई पेशेवर भविष्यवक्ता नहीं था। यह मेरा पेशा नहीं था, लेकिन भगवान ने मेरे जीवन में हस्तक्षेप किया। भगवान को ऐसा करने का अधिकार था।

और श्लोक 15 में कहा गया है, लेकिन प्रभु ने मुझे झुंड के पीछे चलने से रोक लिया। और प्रभु ने मुझसे कहा, जाओ और मेरे लोगों, इस्राएल के लिए भविष्यवाणी करो। परमेश्वर ने उसे एक विशिष्ट बुलावा दिया।

और जब परमेश्वर ने आपको इस तरह बुलाया, तो यह कोई सुझाव नहीं था। यह कोई विकल्प नहीं था। यह ऐसी चीज़ नहीं थी जिसे स्वीकार करने या अस्वीकार करने का विकल्प आपके पास था।

यह एक दायित्व था जो परमेश्वर ने इन लोगों पर डाला था। योना की पुस्तक में इसका एक और उदाहरण है। परमेश्वर ने योना को एक भविष्यवक्ता के रूप में बुलाया।

योना परमेश्वर का प्रवक्ता है, लेकिन फिर परमेश्वर उसे एक विशेष कार्य सौंपता है। उठो और निनवे जाओ और उस शहर से बात करो। परमेश्वर के लिए यह एक अनोखी बात थी कि वह भविष्यवक्ता को बुलाए और इस विदेशी राष्ट्र से बात करे।

और योना कुछ ऐसा करता है जो हम दूसरे भविष्यवक्ताओं को करते नहीं देखते। वह उठता है और बुलावे से भागने की कोशिश करता है, परमेश्वर की उपस्थिति से भागने की कोशिश करता है। और प्रभु अंततः योना को उस स्थान पर लाने के लिए विभिन्न परिस्थितियों में काम करने जा रहा है जहाँ वह परमेश्वर द्वारा उसे दिए गए मिशन को पूरा करता है और पूरा करता है।

और इसलिए, भविष्यवक्ताओं को परमेश्वर द्वारा बुलाया जाता है। यह सिर्फ एक पेशा नहीं है। यह सिर्फ कुछ ऐसा नहीं है जो उनके स्वभाव के अनुकूल हो।

यह एक ऐसा मिशन है जो उन्हें ईश्वर की ओर से मिलता है और ईश्वर ही उन्हें इसे पूरा करने में सक्षम बनाने वाला है। इससे जुड़ी दूसरी बात यह है कि उन्हें विशेष रूप से ईश्वर के प्रवक्ता होने के लिए बुलाया गया है। भविष्यवक्ताओं में हम 350 से अधिक बार यह अभिव्यक्ति देखते हैं, यहीवा ऐसा कहता है।

इसलिए, यह कोई भविष्यवक्ता नहीं है जो अपने समय में चल रहे संकट या स्थिति के बारे में अपनी राय या विचार दे रहा है। यह एक संदेश है जो सीधे ईश्वर से आता है। हम अक्सर निउम अडोनाई, प्रभु का कथन देखते हैं।

यह यिर्मयाह या आमोस या होशे का वचन नहीं है। यह एक कथन है जो परमेश्वर की ओर से आता है। 2 पतरस 1:21, प्रेरणा के बारे में नए नियम के महत्वपूर्ण अंशों में से एक और यह कि यह भविष्यवक्ताओं को कैसे दिया गया था, यह कहता है, भविष्यवाणी मनुष्य की इच्छा या मनुष्यों की राय से उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि परमेश्वर के पवित्र पुरुषों ने पवित्र आत्मा द्वारा प्रेरित होकर बात की।

वहाँ जो विचार है, उसके पीछे जो दृष्टांत है, वह शायद हवा के द्वारा जहाज़ के पालों को हिलाने का विचार भी हो सकता है। भविष्यवक्ताओं को उनके संदेश तक पहुँचाया गया क्योंकि परमेश्वर ने उनके माध्यम से बात की थी। 2 तीमुथियुस 3:16, सभी शास्त्र परमेश्वर द्वारा प्रेरित हैं।

यह ईश्वर द्वारा साँस के ज़रिए दिया गया संदेश है। इसे सबसे पहले ईश्वर द्वारा बोला जाता है और फिर इसे एक मानवीय संदेशवाहक के ज़रिए संप्रेषित किया जाता है। पैगम्बरों के साथ, उनका मौखिक संदेश ईश्वर द्वारा प्रेरित था।

फिर, उस संदेश को भविष्य की पीढ़ियों के लिए परमेश्वर द्वारा प्रेरित करके लिखा गया था। इसलिए वे अंश भी इसमें कारक हैं। यिर्मयाह 23 हमें इस बात की व्याख्या देता है कि सच्चे भविष्यवक्ताओं की सेवकाई किस बारे में थी, उनके संदेश का स्रोत क्या था।

यिर्मयाह कहते हैं कि सच्चे भविष्यवक्ता और झूठे भविष्यवक्ता के बीच का अंतर यह है कि झूठे भविष्यवक्ता केवल दर्शन, स्वप्न और अपने मन की कल्पनाएँ बोलते हैं। लेकिन एक सच्चा भविष्यवक्ता परमेश्वर द्वारा उसे दिया गया संदेश प्राप्त करता है और उसे संप्रेषित करता है। यिर्मयाह यहाँ तक कि उस अंश में खुद को एक भविष्यवक्ता के रूप में देखता है जो परमेश्वर की सलाह पर खड़ा है।

दूसरे शब्दों में, जब परमेश्वर अपने निर्णय ले रहा था, जब परमेश्वर अपने इरादों की घोषणा कर रहा था, कि उसने ग्रह पृथ्वी पर क्या करने की योजना बनाई है, यिर्मयाह कहता है, मैं स्वर्ग में बैठक में था और जब परमेश्वर ने स्वर्गदूतों, दूतों, लोगों को अपनी योजनाओं की घोषणा की जो इसे पूरा करेंगे, मैं वहाँ था, और मैंने सुना कि प्रभु क्या करने जा रहा था, प्रभु क्या करने की योजना बना रहा था, और अब मैं उस संदेश को आप तक पहुँचा रहा हूँ। भविष्यवक्ता मीकायाह, 1 राजा 22, अहाब के भविष्यवक्ताओं के विरोध में खड़ा है, जो सभी उसे प्रोत्साहित कर रहे हैं, युद्ध में जाओ, तुम सफल होगे। मीकायाह कहता है, यदि तुम युद्ध में जाते हो और तुम जीवित वापस आते हो तो मैं परमेश्वर का सच्चा प्रवक्ता नहीं हूँ क्योंकि मैं स्वर्ग में बैठक में था।

मैं परमेश्वर की सलाह में खड़ा था, और मैंने प्रभु को अपने स्वर्गदूतों और अपने दूतों से यह कहते हुए सुना, कौन जाकर एक धोखेबाज आत्मा बनेगा जो अहाब को युद्ध में जाने के लिए प्रेरित करेगा? यह भविष्यवक्ताओं के लिए उपयोग करने के लिए एक बहुत ही दुस्साहसी रूपक है। हम परमेश्वर की सलाह में स्वयं परमेश्वर के साथ, स्वर्गीय दूतों, स्वर्गीय स्वर्गदूतों के साथ खड़े हुए हैं, और हम आपको उस संदेश की घोषणा करने आ रहे हैं। पुराने नियम में भविष्यवक्ता की भूमिका को समझने के लिए एक प्रारंभिक अंश व्यवस्थाविवरण 18:15 है।

उस अंश में प्रभु मूसा से बात करते हुए कहते हैं कि प्रभु इस्राएल के लोगों के लिए मूसा जैसा एक नबी खड़ा करेंगे। और इसलिए, इस पर काफी चर्चा हुई है। वहाँ नबी शब्द का एक ही बार में इस्तेमाल किया गया है।

हम जिस भविष्यवक्ता के बारे में बात कर रहे हैं, वह कौन है? जाहिर है, ईसाई होने के नाते, हम सोचते हैं कि यह अंश यीशु से संबंधित है। प्रेरितों के काम 3:22 कहता है कि यीशु इसकी पूर्ति है। लेकिन वहाँ एकवचन में भविष्यवक्ता शब्द का इस्तेमाल संभवतः सामूहिक रूप में किया जा रहा है।

और वह अंश इस बारे में बात कर रहा है कि प्रभु मूसा की तरह सामूहिक रूप से भविष्यवक्ताओं का एक समूह खड़ा करने जा रहा है, जो अपनी पीढ़ी में वही भूमिका निभाएगा जो मूसा ने अपनी पीढ़ी के लिए निभाई और निभाई। लोगों ने मूसा से कहा था कि वह ऊपर जाए और प्रभु से बात करे, प्रभु का संदेश सुने, और आकर उस संदेश को हम तक पहुँचाए। हम परमेश्वर की उपस्थिति में खड़े नहीं होना चाहते, नहीं तो हम मर सकते हैं।

और इसलिए, मूसा ने यह भूमिका निभाई जहाँ वह परमेश्वर के लिए बोलेगा जहाँ वह परमेश्वर को संदेश संप्रेषित करेगा। और प्रभु व्यवस्थाविवरण 18 पद 15 में इस्राएल के लोगों से वादा कर रहे थे, मैं आगे बढ़ूँगा, और मूसा के मरने के बाद भी मैं उस संदेश को जारी रखूँगा। और इसलिए, पूरे पुराने नियम मैं हमारे पास मूसा जैसे भविष्यवक्ताओं की एक श्रृंखला है जिन्हें परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों के लिए खड़ा किया।

मूसा के तुरंत बाद आने वाला यहोशू परमेश्वर का प्रवक्ता है। अपने जीवन के अंत में, एक भविष्यवक्ता के रूप में सेवा करने और सेवा करने के बाद, वह लोगों को वाचा के नवीनीकरण

के लिए उसी तरह बुलाता है जैसे मूसा ने किया था। भविष्यवक्ता का पद संभवतः आधिकारिक रूप से शमूएल के साथ स्थापित हुआ।

और जब इस्राएल ने परमेश्वर से उन्हें एक राजा देने के लिए कहा, तो उन राजाओं को निर्देश देने के लिए उसके साथ-साथ नबी का अधिकार और पद भी स्थापित किया गया। नागरिक नेता को अंततः आध्यात्मिक नेता को जवाब देना होगा। और इसलिए, जब हम शमूएल के बारे में सोचते हैं, तो हम नातान, गाद और एलिय्याह और एलीशा के बारे में सोचते हैं, पुराने नियम में नबी के पद के आरंभ में उनकी सेवकाई मुख्य रूप से इस्राएल के राजाओं के लिए थी।

वे राजाओं का अभिषेक करने जा रहे हैं। वे राजा बनाने वाले हैं। वे ही हैं जो परमेश्वर के इरादे की घोषणा करते हैं।

यह वह व्यक्ति है जिसे प्रभु ने राजा के रूप में चुना है। शाऊल को चुना जाता है, लेकिन फिर जब शाऊल को अस्वीकार कर दिया जाता है, तो शमूएल दाऊद के घराने में जाता है और दाऊद को जेसी के बेटों में से एक के रूप में अभिषेक करता है। जब दाऊद की मृत्यु होने वाली होती है और उत्तराधिकार को लेकर तनाव होता है, तो भविष्यवक्ताओं ने घोषणा की कि सुलैमान, जो परमेश्वर का प्रिय है, वही इस्राएल के राजा के रूप में शासन करने वाला है।

और इसलिए, भविष्यवक्ता के पद की प्रारंभिक संस्था में भविष्यवक्ता की भूमिका मुख्य रूप से राजाओं के लिए थी। हम एलिय्याह और एलीशा की सेवकाई के साथ एक बदलाव की शुरुआत करते हैं क्योंकि वे इस्राएल के राजाओं की सेवकाई करने जा रहे हैं। वे राजा अहाब और अहाब के घराने से उनके धर्मत्याग और बाल की पूजा में उनके समर्पण के बारे में सवाल करने जा रहे हैं।

लेकिन एलिय्याह और एलीशा भी बड़े पैमाने पर लोगों की सेवा करना शुरू करने जा रहे हैं क्योंकि राष्ट्रीय धर्मत्याग है। लोगों को यहोवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए वापस बुलाया जाना चाहिए। जब हम पुराने नियम में लिखित भविष्यद्वक्ताओं, प्रमुख और छोटे भविष्यद्वक्ताओं, प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं, यशायाह, यिर्मयाह और यहेजकेल, हमारी अंग्रेजी बाइबलों में, दानिय्येल, बारह की पुस्तक में छोटे भविष्यद्वक्ता हैं।

आठवीं शताब्दी और उसके बाद के समय में परमेश्वर ने उन्हें उठाया क्योंकि अब संकट का समय है। इस्राएल का उत्तरी राज्य और यहूदा का दक्षिणी राज्य, सैकड़ों वर्षों से परमेश्वर की उपेक्षा करते रहे हैं। उन्होंने उसकी आज्ञाओं का पालन नहीं किया है।

यहूदा के अधिकांश राजा और इस्राएल के सभी राजा, किसी न किसी तरह से, परमेश्वर के प्रति विश्वासघाती रहे हैं। इसलिए, परमेश्वर ने आठवीं शताब्दी में आमोस से शुरू होने वाले शास्त्रीय भविष्यद्वक्ताओं या लिखित भविष्यद्वक्ताओं को खड़ा किया ताकि लोगों को आसन्न राष्ट्रीय संकट और राष्ट्रीय आपदा के बारे में चेतावनी दी जा सके। इसलिए, भविष्यद्वक्ताओं का एक समूह होने जा रहा है जिसे परमेश्वर ने असीरियन संकट के दौरान खड़ा किया था।

अशूर साम्राज्य में, परमेश्वर इस्राएल के लोगों को दण्ड देना शुरू करने जा रहा है। भविष्यवक्ता उन्हें चेतावनी दे रहे हैं कि उन्हें पश्चाताप करने की आवश्यकता है और अंततः उत्तरी राज्य निर्वासन में चला जाता है। यहूदा के राज्य के लिए बेबीलोन का संकट, प्राचीन निकट पूर्व में प्रमुख साम्राज्य के रूप में अशूर की जगह बेबीलोन ले लेता है।

यदि लोग अपने तौर-तरीके नहीं बदलते हैं तो परमेश्वर बेबीलोन का उपयोग करके अपने लोगों को दण्डित करने जा रहा है। इसलिए, परमेश्वर भविष्यद्वक्ताओं के एक और समूह को खड़ा करता है। निर्वासन के बाद की अवधि में, जब लोग देश में वापस आते हैं, तो वे देश में वापस आ जाते हैं, लेकिन वे पूरी तरह से प्रभु के पास वापस नहीं आते हैं।

इसलिए, प्रभु भविष्यद्वक्ताओं के एक और समूह को खड़ा करने जा रहा है ताकि उन्हें पश्चाताप करने के लिए बुलाए, उन्हें सिखाए, उन्हें निर्देश दे कि परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों के लिए आखिरकार क्या योजना बनाई है। इसलिए, भविष्यद्वक्ताओं की भूमिका, और वे पुराने नियम के पूरे इतिहास में मौजूद हैं, यह है कि वे परमेश्वर के प्रवक्ता हैं। इसलिए, हमने देखा है कि उन्हें परमेश्वर द्वारा बुलाया जाता है।

वे परमेश्वर के प्रवक्ता हैं। उन्हें मूसा से लेकर शमूएल तक एक पद के रूप में नियुक्त किया गया है। विशेष रूप से, उनका संदेश, भविष्यद्वक्ताओं की भूमिका, और वह संदेश जो वे घोषित करते हैं, वे परमेश्वर की वाचाओं के दूत के रूप में इस्राएल के लोगों के पास आते हैं।

इसलिए, भविष्यवक्ताओं की भूमिका और कार्य और मंत्रालय और संदेश को समझने के लिए, हमें पुराने नियम की वाचाओं और पुराने नियम के इतिहास को समझना होगा। इसकी सारी विविधता वास्तव में परमेश्वर द्वारा उन वाचाओं को कार्यान्वित करने की एक श्रृंखला है जिन्हें उसने अपने राजत्व को कार्यान्वित करने के तरीके के रूप में स्थापित किया है। जब परमेश्वर दुनिया बनाता है, और परमेश्वर आदम को अपना उप-शासक बनाता है, तो तुम मेरी छवि के रूप में सेवा करोगे; जब आदम पाप करता है तो वह सारी योजना खराब हो जाती है।

इसलिए, परमेश्वर मनुष्य को उसकी आशीष वापस दिलाने, मनुष्य को परमेश्वर के उप-शासक के रूप में उसकी भूमिका वापस दिलाने के लिए छुटकारे की योजना शुरू करता है, लेकिन अंततः सभी सृष्टि के राजा और इस्राएल के राजा के रूप में परमेश्वर की भूमिका को फिर से स्थापित करने के लिए भी। प्रभु पुराने नियम में वाचाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से अपने राजत्व को लागू करता है। मैं वास्तव में मानता हूँ कि पुराने नियम में परमेश्वर के बारे में दो प्रचलित विचार हैं कि परमेश्वर एक राजा है और परमेश्वर इन वाचाओं के माध्यम से अपने राज्य को लागू करता है।

वाचा का उल्लेख पहली बार उत्पत्ति 6-8 में मिलता है। परमेश्वर नूह के साथ वाचा बाँधता है। परमेश्वर नूह से वादा करता है कि वह उसके परिवार को उस विश्वव्यापी जलप्रलय से सुरक्षित निकालेगा जिसका उपयोग वह पृथ्वी पर न्याय लाने के लिए करने जा रहा है।

जल प्रलय के बाद परमेश्वर ने एक वाचा बाँधी कि वह अब पृथ्वी को जल से नष्ट नहीं करेगा। यह वाचा परमेश्वर की छुटकारे की योजना में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पृथ्वी के जारी रहने की गारंटी देती है। लेकिन परमेश्वर ने उस वाचा में मानवता पर एक दायित्व भी रखा है।



इसमें कहा गया है कि मनुष्य को खून नहीं खाना चाहिए, और फिर सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि मनुष्य को हिंसा से बचना चाहिए। परमेश्वर द्वारा बाढ़ लाने का एक कारण दुष्टता और हिंसा थी। परमेश्वर कहता है कि अब मानवता पर यह दायित्व है कि जो कोई मनुष्य का खून बहाएगा, उसका खून मनुष्य द्वारा बहाया जाएगा।

इसलिए, सभी राष्ट्रों के सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि वे हिंसा को रोकें और दुष्टता को रोकें और रोकें जिसके कारण पहली बार बाढ़ का न्याय हुआ। इसलिए, भविष्यवक्ताओं का संदेश, अक्सर जब वे राष्ट्रों से बात करते हैं, उस मूल नूह की वाचा पर आधारित होने जा रहा है। बाढ़ के बाद, बाबेल के टॉवर पर मानवता के फिर से विद्रोह के बाद, परमेश्वर एक राष्ट्र के माध्यम से, लोगों के एक विशिष्ट समूह के माध्यम से काम करना शुरू करने जा रहा है।

और इसलिए, परमेश्वर दूसरी वाचा बाँधने जा रहा है। परमेश्वर अब्राहम के साथ वाचा बाँधता है। और वहाँ मुख्य अंश उत्पत्ति 12, उत्पत्ति 15, उत्पत्ति 17, और उत्पत्ति 22 हैं।

उस वाचा में, परमेश्वर अब्राहम से तीन खास वादे करता है। परमेश्वर अब्राहम से वादा करता है कि वह उसे वंश देगा और उसे एक महान राष्ट्र बनाएगा। यह एक महत्वपूर्ण वादा है क्योंकि अपने जीवन में लंबे समय तक अब्राहम के पास एक बेटा भी नहीं था।

परमेश्वर ने यह भी वादा किया है कि वह अब्राहम और उसके वंशजों को एक भूमि, वादा किया हुआ देश, कनान की भूमि देगा, जहाँ इस्राएल अंततः रहने के लिए आएगा। और फिर परमेश्वर ने यह भी कहा कि अब्राहम सभी लोगों के लिए आशीर्वाद का साधन बन जाएगा। और वह कहता है, मैं उन लोगों को आशीर्वाद दूंगा जो तुम्हें आशीर्वाद देते हैं।

मैं उन लोगों को शाप दूंगा जो तुम्हें शाप देते हैं। और सभी राष्ट्रों और सभी लोगों के माध्यम से, वे अंततः अब्राहम के माध्यम से धन्य होने जा रहे हैं। परमेश्वर बाकी मानवता के बारे में नहीं भूला है।

उत्पत्ति 128 में परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को आशीर्वाद देने और उनके उप-शासक के रूप में शासन करने के लिए की गई सृष्टि की योजना अभी भी लागू है, लेकिन परमेश्वर इसे पूरा करने के लिए अब्राहम और उसके वंशजों को साधन के रूप में उपयोग करने जा रहा है। परमेश्वर अब्राहम पर एक दायित्व भी डालता है। खतना को उस वाचा के चिन्ह के रूप में स्थापित किया गया है।

इसे पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाना चाहिए। और परमेश्वर ने उत्पत्ति 17 में अब्राहम से यह भी कहा, तुम्हें मेरे सामने चलना होगा और निर्दोष होना होगा। दूसरे लोगों के लिए आशीर्वाद का साधन बनने के लिए, अंततः उसे परमेश्वर के प्रति वफ़ादार और आज्ञाकारी होना होगा।

वाचाओं में सभी वादे और दायित्व दोनों शामिल हैं। और इसलिए, परमेश्वर ने अब्राहम के साथ यह वाचा स्थापित की। भविष्यवक्ताओं का संदेश, कई मायनों में, उन वादों पर आधारित होने जा रहा है जो परमेश्वर ने अब्राहम से किए हैं।

इस्राएल को निर्वासित कर दिए जाने के बाद, वे वापस अपने देश में आएंगे क्योंकि परमेश्वर वाचा के वादों को नहीं भूला है। परमेश्वर उन्हें एक महान राष्ट्र के रूप में पुनर्स्थापित करने जा रहा है क्योंकि परमेश्वर ने अब्राहम के वंशजों को आकाश के तारों और समुद्र तट की रेत के समान असंख्य बनाने का वादा किया था। तीसरी वाचा जो परमेश्वर ने पुराने नियम में बनाई है वह यह है कि अब्राहम के वंशजों के एक महान राष्ट्र बन जाने के बाद, वह उन्हें मिस्र से बाहर निकालता है।

वह उन्हें एक राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है और उन्हें सिनाई पर्वत पर लाता है और उन्हें जीने के लिए एक वाचा देता है। यह एक संविधान है जो उन्हें अपने मिशन और ईश्वर के लोगों के रूप में अपनी भूमिका निभाने में मदद करेगा। और इसलिए, हम उस वाचा को या तो सिनाई वाचा या मोजैक वाचा के रूप में संदर्भित करते हैं।

उस वाचा का एक मुख्य अंश निर्गमन अध्याय 19, श्लोक 1 से 6 में है। परमेश्वर कहता है कि मैंने तुम्हें उकाब के पंखों पर उठा लिया है। मैं तुम्हें अपने पास ले आया हूँ। मैंने तुम्हें मिस्र की गुलामी से बचाया है।

और अब मैं तुम्हें एक मिशन के लिए बुला रहा हूँ। मैं तुम्हें एक पवित्र राष्ट्र बनने के लिए, एक विशिष्ट तरीके से जीने के लिए बुला रहा हूँ। मैं तुम्हें पुजारियों का एक राज्य बनने के लिए बुला रहा हूँ।

पुजारी की भूमिका अंततः दूसरों को आशीर्वाद देना, दूसरों के लिए प्रार्थना करना, अन्य लोगों को ईश्वर के पास ले जाना और मध्यस्थ होना है। जैसा कि इस्राएल ने उन आज्ञाओं का पालन किया जो परमेश्वर ने उन्हें दी थीं - 10 आज्ञाएँ जो कानून को समाहित करती हैं, कुल मिलाकर 613 आज्ञाएँ - वे परमेश्वर के आशीर्वाद के साधन के रूप में अपना मिशन पूरा करेंगे। वाचा में यह निर्धारित किया गया था कि यदि इस्राएल परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता है, तो उन्हें आशीर्वाद मिलेगा।

यदि वे परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन करते, तो वे शापित होते। और जब हम लैव्यव्यवस्था 26 और व्यवस्थाविवरण अध्याय 28 जैसे अंशों में हमारे लिए निर्धारित वाचा की आशीर्षों और वाचा के शापों को पढ़ते हैं, तो हम समझते हैं कि वे आशीर्षों और शाप क्या थे। आशीर्षों यह थीं कि वे भूमि का आनंद लेंगे।

वे लंबी आयु जीएंगे। उनके कई बच्चे होंगे। यह भूमि दूध और शहद से भरी हुई है।

वे उन सभी चीजों का भरपूर, भरपूर और गहन तरीके से आनंद लेंगे। परमेश्वर उन्हें राष्ट्रों पर प्रभुत्व देगा। उन्हें सैन्य सफलता मिलेगी।

वे सुरक्षित रहेंगे। वे शांतिपूर्ण जीवन जीएंगे। लेकिन अगर वे अवज्ञा करेंगे, तो परमेश्वर प्रकृति में शाप लाएगा जो वादा किए गए देश की आशीर्षों को छीन लेगा।

और परमेश्वर सैन्य पराजय और निर्वासन से निपटने के लिए शाप लाएगा। व्यवस्थाविवरण 28 कहता है कि अंतिम दण्ड यह होगा कि परमेश्वर तुम्हें देश से बाहर निकाल देगा। परमेश्वर तुम्हें मिस्र वापस भेज देगा, वह स्थान जहाँ से तुम आए थे।

और इसलिए, पुराने नियम में हम पाते हैं कि मूसा के दिनों में जब से यह स्थापित हुआ है, तब से लेकर जब तक अमोस, होशे, यशायाह, मीका और 8वीं शताब्दी में इन शुरुआती भविष्यवक्ताओं के साथ भविष्यवक्ताओं का उदय हुआ, तब तक इस्राएल की भूमि के प्रति, आज्ञाओं के प्रति अवज्ञा और विश्वासघात का एक लंबा इतिहास है। भविष्यवक्ता वाचा के संदेशवाहक हैं, जो लोगों को वाचा की जिम्मेदारियों की याद दिलाते हैं। साथ ही, उन्हें यह भी याद दिलाते हैं कि अगर वे आज्ञा का पालन नहीं करेंगे तो क्या होगा।

मूसा के समय के बाद परमेश्वर ने एक और वाचा बनाई और पुराने नियम में चौथी वाचा जिसे हम देखना चाहते हैं वह है दाऊद की वाचा। इसका एक मुख्य अंश 2 शमूएल 7 में है। दाऊद परमेश्वर के लिए एक घर बनाने की इच्छा रखता है। परमेश्वर कहता है, आखिरकार, तुम्हारा परिवार ऐसा करेगा, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं तुम्हारे लिए एक घर बनाने जा रहा हूँ।

इसका तात्पर्य यह है कि परमेश्वर दाऊद के लिए एक पुत्र को जन्म देगा। शुरू में, वह उसका पुत्र सुलैमान होगा, लेकिन यीशु मसीह के समय तक दाऊद के राजाओं का उत्तराधिकार होगा। परमेश्वर दाऊद के परिवार, दाऊद के राजवंश और दाऊद के राज्य को हमेशा के लिए स्थापित करने जा रहा है।

वहाँ एक बिना शर्त वादा है। मैं दाऊद से अपना प्यार नहीं छीनूँगा जिस तरह मैंने शाऊल से छीना था। मैं दाऊद के सिंहासन और दाऊद के राज्य की स्थापना करने जा रहा हूँ।

लेकिन यहाँ तक कि दाऊद की वाचा में भी, इसमें एक शर्त है। दाऊद के प्रत्येक पुत्र के लिए जो उस वंश में, उस उत्तराधिकार में आगे बढ़ता है, उसे आशीर्वाद दिया जाएगा या उसे परमेश्वर द्वारा दिए गए आदेशों के प्रति उसकी आज्ञाकारिता के आधार पर दंडित किया जाएगा। वे आदेश राजा के लिए इतने महत्वपूर्ण थे कि उसे पद पर आने के बाद व्यवस्था की पुस्तक की अपनी व्यक्तिगत प्रति लिखने की आवश्यकता थी ताकि उसे अपनी जिम्मेदारियों की याद दिलाई जा सके।

शायद आज के राजनीतिज्ञों के लिए ऐसा करना हमारे लिए एक अच्छा विचार होगा, लेकिन यह उस जिम्मेदारी की याद दिलाता है जो राजा को कानून का पालन करने की थी। जब दाऊद के राजाओं ने आखिरकार कानून का पालन नहीं किया, तो उन्होंने उन आदेशों को पूरा नहीं किया जो परमेश्वर ने उन्हें दिए थे। परमेश्वर ने आखिरकार उन्हें सिंहासन से हटा भी दिया।

यरूशलेम में 2,500 से ज़्यादा सालों से कोई दाऊदवंशी राजा राज नहीं कर रहा है, लेकिन परमेश्वर उस वाचा के प्रति प्रतिबद्ध है क्योंकि, आखिरकार, दाऊद के स्थायी, अनंत राज्य के बारे में वादे यीशु मसीह के व्यक्तित्व में पूरे होते हैं। यीशु, न सिर्फ परमेश्वर के बेटे के रूप में, बल्कि दाऊद के बेटे के रूप में, अभी परमेश्वर के दाहिने हाथ पर शासन कर रहा है और उन वादों को

पूरा कर रहा है जो प्रभु ने दाऊद से किए थे। दाऊदवंशी वाचा को आखिरकार परमेश्वर ने अब्राहमिक वाचा और मूसा की वाचा दोनों के वादों को पूरा करने के तरीके के रूप में स्थापित किया था।

परमेश्वर ने अब्राहम को एक महान देश देने का वादा किया था। उस देश पर कब्ज़ा किया जाएगा और उस देश पर दाऊद के राजा के शासन, अधिकार और सैन्य शक्ति का स्थायी रूप से कब्ज़ा रहेगा। परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों को उसकी आज्ञाओं का पालन करने में मदद करने के लिए एक दाऊद के राजा को भी खड़ा किया।

उन्हें एक आदर्श की ज़रूरत थी। उन्हें एक उदाहरण की ज़रूरत थी कि परमेश्वर के नियमों और परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना क्या होता है। दाऊद के राजा को ऐसा ही बनने के लिए बनाया गया था।

परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों से यह भी वादा किया कि चूँकि इन सभी लोगों को परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए बाध्य करना बहुत कठिन था, इसलिए परमेश्वर की आज्ञा मानकर पूरे राष्ट्र को आशीर्वाद देने की कोशिश करना, यदि यह एक व्यक्ति आज्ञा मान ले तो परमेश्वर पूरे राष्ट्र को आशीर्वाद देगा। पुराने नियम में हम जो देखते हैं वह यह है कि जब दाऊद का राजा परमेश्वर की आज्ञा मानता है, तो राष्ट्रीय आशीर्वाद पूरे लोगों तक पहुँचते हैं। जब दाऊद का राजा परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानता, तो अक्सर लोगों पर राष्ट्रीय दण्ड आते हैं।

लेकिन दाऊद की वाचा परमेश्वर का यह कहने का एक अनुग्रहपूर्ण तरीका था, और मैं राष्ट्र को आशीर्वाद देने का एक तरीका प्रदान करने जा रहा हूँ यदि यह एक व्यक्ति मेरी आज्ञा मानेगा। दुखद वास्तविकता यह है कि इस एक व्यक्ति को परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए राजी करना भी अंततः एक बहुत बड़ा काम साबित हुआ। दाऊद, सुलैमान और सभी अच्छे राजा, यहाँ तक कि वे राजा भी, अंततः, किसी न किसी तरह से, परमेश्वर को विफल कर गए।

इसलिए, भविष्यवक्ताओं की भूमिका यह संदेशवाहक बनना था कि दाऊद की वाचा का क्या अर्थ है और इस्राएल और यहूदा के लोगों के लिए दाऊद की वाचा क्या थी। वादे के पक्ष में, भविष्यवक्ताओं ने वादा किया कि परमेश्वर अंततः सर्वश्रेष्ठ दाऊद, आदर्श दाऊद, मसीहाई दाऊद को खड़ा करने जा रहा था, जो परमेश्वर द्वारा दाऊद के घराने के लिए डिजाइन और इरादा की गई सभी चीजों की पूर्ति होगी। हालाँकि, इसका दूसरा पक्ष यह था कि परमेश्वर इन राजाओं को दंडित भी करने जा रहा था यदि वे उसका अनुसरण नहीं करते।

इसलिए, यिर्मयाह 22 में भविष्यवक्ता यिर्मयाह, यदि आप परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करेंगे, यदि आप सब्त का पालन करेंगे और वही करेंगे जो परमेश्वर ने आपको आज्ञा दी है, और यदि आप न्याय का पालन करेंगे, तो आपको अपना सिंहासन बनाए रखने की अनुमति दी जाएगी। यदि नहीं, तो अंततः, न्याय होने वाला है। परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों के साथ वाचाओं की इन श्रृंखलाओं को स्थापित करने के बाद, अब्राहमिक वाचा, मूसा की वाचा, दाऊद की वाचा, और लोगों और नेताओं और राजाओं और धार्मिक अधिकारियों और नागरिक अधिकारियों ने सैकड़ों

वर्षों तक परमेश्वर की अवज्ञा की है, भविष्यवक्ता उनसे इस बारे में बात करते हैं, लेकिन वे यह भी वादा करते हैं कि परमेश्वर एक और वाचा बनाने जा रहा है।

भविष्यवक्ताओं का वादा है कि आखिरकार, इस न्याय के खत्म होने के बाद, प्रभु इस्राएल के लोगों के साथ एक नई वाचा स्थापित करने जा रहा है। और इसलिए, उन्होंने सैकड़ों-हजारों वर्षों तक पुरानी वाचा का पालन नहीं किया है, और फिर भी परमेश्वर की कृपा यह है कि परमेश्वर पुरानी वाचा को तोड़ने जा रहा है और परमेश्वर उनके साथ एक नई वाचा बनाने जा रहा है। इस नई वाचा को समझने में हमारी मदद करने के लिए पुराने नियम में मुख्य अंश यिर्मयाह अध्याय 31 आयत 31 से 34 है, और उस अंश में दो मुख्य वादे हैं।

पहला भाग यह है कि मैं अतीत के पापों को क्षमा कर दूँगा। मैं उन्हें अब और याद नहीं रखूँगा, और यही वह है जो परमेश्वर निर्वासन के न्याय को लागू करने के बाद करने जा रहा है। दूसरा वादा यह है कि यिर्मयाह कहता है, परमेश्वर आपके भविष्य के लिए भी सक्षमता प्रदान करने जा रहा है, और प्रभु आपके हृदय पर कानून लिखने जा रहा है ताकि आपके पास आज्ञा मानने की इच्छा हो और वह करने की क्षमता हो जो परमेश्वर ने आपको करने की आज्ञा दी है।

छात्रों को यह समझाने की कोशिश करते हुए, मैं अक्सर उदाहरण देता हूँ कि जब हम कोई संकेत देखते हैं जिस पर लिखा होता है, घास से दूर रहें, तो हमारे साथ क्या होता है। जैसे ही हम यह देखते हैं, हमारी इच्छा तुरंत घास की रक्षा करने की नहीं होती। हमारी इच्छा होती है, मैं घास पर चलना चाहता हूँ।

साइनबोर्ड मुझे ऐसा न करने के लिए कहता है। मेरे दिल में कुछ ऐसा है जो मुझे इसके खिलाफ विद्रोह करने के लिए मजबूर करता है। अगर मैं कोई साइनबोर्ड देखता हूँ जिस पर लिखा है गीला पेंट, तो मेरे दिल में कुछ ऐसा है जो मुझे उसे छूने के लिए मजबूर करता है, भले ही साइनबोर्ड का इरादा ऐसा न हो।

इस्राएल के लिए भी यही स्थिति थी जब उन्होंने परमेश्वर की व्यवस्था सुनी। अपनी पापी स्थिति में, हम परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने की इच्छा नहीं रखते। परमेश्वर अंततः लोगों के हृदयों को बदलने का वादा कर रहा है ताकि वे उसकी आज्ञा मान सकें और उसका अनुसरण कर सकें।

ये भयानक न्यायदंड जो आए, निर्वासन जो गिरा, असीरियन संकट, बेबीलोन संकट, यह विदेशी प्रभुत्व जिसके तहत इस्राएल रहने जा रहा है, वह भविष्य में नहीं होगा क्योंकि परमेश्वर अपने लोगों को आज्ञापालन करने की क्षमता देने जा रहा है। यिर्मयाह एकमात्र भविष्यवक्ता है जो इस विशिष्ट शब्द, नई वाचा का उपयोग करता है। लेकिन नई वाचा का विचार सभी भविष्यवक्ताओं में है।

भविष्यवक्ता योएल कहते हैं कि अंतिम दिन में, प्रभु अपने लोगों पर अपनी आत्मा उंडेलने जा रहे हैं। आत्मा ही वह है जो इस्राएल को आज्ञा मानने की क्षमता प्रदान करने जा रही है। यहजेकेल, यिर्मयाह 31 में जो कहता है, उसे दोहराते हुए, यहजेकेल 36 में कहता है, प्रभु तुम्हें शुद्ध करने जा रहा है और प्रभु तुम्हारे पाप की गंदगी और मलिनता को धोने जा रहा है।

और प्रभु आपके भीतर एक नया हृदय रखने जा रहा है। और जिस तरह से वह आपको एक नया हृदय देने जा रहा है वह आत्मा की सेवकाई के माध्यम से है। इसलिए, जब यिर्मयाह कहता है, मैं तुम्हारे हृदय पर व्यवस्था लिखने जा रहा हूँ, तो इसका क्या अर्थ है? यह कैसे होता है? यह जेकेल 36 और अन्य भविष्यद्वक्ता हमें यह समझने में मदद करते हैं कि अपने लोगों पर आत्मा के उंडेलने के द्वारा परमेश्वर उन्हें उसकी आज्ञा मानने और उसके आदेशों का पालन करने की क्षमता और इच्छा देने जा रहा है।

यशायाह 32 आयत 14 और 15, प्रभु बंजर रेगिस्तानी जगह पर पानी की तरह आत्मा उंडेलने जा रहा है। यशायाह 59 आयत 20 और 21, मैं अपने लोगों के मुँह में अपने शब्द डालने जा रहा हूँ ताकि वे मुझे जानने और मेरा अनुसरण करने और मेरी आज्ञाओं को पूरा करने की इच्छा रखें। जकर्याह अध्याय 12, मैं अपने लोगों पर पश्चाताप की आत्मा उंडेलने जा रहा हूँ।

परमेश्वर अंततः अपने लोगों को आज्ञा मानने और उनका अनुसरण करने की इच्छा देकर पुराने नियम की असफलताओं को उलटने जा रहा है। और इसलिए, हमने वास्तव में यहाँ छुटकारे के पूरे इतिहास, पुराने नियम में इस्राएल के लोगों के इतिहास का पता लगाने में थोड़ा समय बिताया है। लेकिन भविष्यद्वक्ताओं के संदेश को समझने के लिए यह आवश्यक है क्योंकि भविष्यद्वक्ता परमेश्वर की वाचा के संदेशवाहक हैं।

स्कॉट डुवैल और जे. डैनियल हेस ने अपनी पुस्तक, ग्रैस्पिंग गॉड्स वर्ड में, चार कथनों के साथ भविष्यद्वक्ताओं के वाचा संबंधी संदेश का सारांश दिया है। और मुझे लगता है कि वे बहुत अच्छे सारांश कथन हैं और मैं उन्हें आपके साथ साझा करना चाहता हूँ। पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं में वाचा के बारे में हम जो पहला विचार देखने जा रहे हैं, वह यह है कि वे लोगों से कहने जा रहे हैं, आपने पाप किया है, और आपने वाचा को तोड़ा है।

और इसलिए, भविष्यद्वक्ता, उसी तरह, जैसे अशशूर के राजा का एक राजदूत इस्राएलियों के पास भेजा जा सकता था या हितियों का राजा अपने राज्य के किसी जागीरदार लोगों के पास एक राजदूत भेज सकता था, भविष्यद्वक्ता परमेश्वर के राजदूत थे जो लोगों को याद दिलाते थे कि उन्होंने अपनी वाचा के दायित्वों को पूरा नहीं किया है। इसे कानूनी शब्दों में कहें तो, हम भविष्यद्वक्ताओं को परमेश्वर के अभियोक्ता वकीलों के रूप में देख सकते हैं। और इसलिए, भविष्यद्वक्ताओं में एक आम भाषण रूप यह है कि भविष्यद्वक्ता अक्सर वह देने जा रहे हैं जिसे हम भविष्यसूचक निर्णय भाषण कहते हैं।

और एक भविष्यवाणीपूर्ण न्याय भाषण में मूल रूप से दो तत्व शामिल होते हैं। लोगों के खिलाफ़ एक आरोप है, और यही आपने गलत किया है। लोगों पर अभियोग लगाया जाता है, और यह आमतौर पर मूसा की वाचा की शर्तों और शर्तों पर आधारित होता है।

और फिर आरोप के बाद, अभियोग के बाद, एक घोषणा भी होती है जहाँ भविष्यद्वक्ता परमेश्वर के लोगों को यह घोषणा करने जा रहा है, कि प्रभु तुम्हारे साथ ऐसा करने जा रहा है। यह वह न्याय है जो तुमने पापों और उन तरीकों के कारण भुगता है जिनसे तुमने वाचा का उल्लंघन किया

है। हमारे पास यशायाह अध्याय 5, श्लोक 8 से 10 में इन न्याय भाषणों में से एक का उदाहरण है।

नबी कहते हैं, "हाय उन लोगों पर जो घर से घर जोड़ते हैं, जो खेत से खेत जोड़ते हैं जब तक कि जगह नहीं बचती, और तुम देश के बीच में अकेले रहने को मजबूर हो जाते हो। सेनाओं के यहोवा ने मेरे सामने शपथ ली है, निश्चय ही बहुत से घर उजाड़ दिए जाएँगे, बड़े और सुंदर घर बिना किसी निवासी के, क्योंकि दस एकड़ की दाख की बारी से सिर्फ़ एक बत पैदा होगा और एक होमेर बीज से सिर्फ़ एक एफ़ा पैदा होगा। नबी वहाँ क्या करता है कि वह हमें एक भविष्यसूचक न्याय भाषण देता है।

और इसका पहला भाग अभियोग, आरोप है। आपने खेत में खेत और घर में घर जोड़ दिया है। आप लालची तरीके से जीते हैं जहाँ आपने अपने पड़ोसी का शोषण किया है और उसका फ़ायदा उठाया है ताकि आप अपने फ़ायदे के लिए उनकी संपत्ति जब्त कर सकें।

लेकेन शब्द द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला निर्णय यह है कि प्रभु कहते हैं, मैंने शपथ ली है, मैं यह करने जा रहा हूँ। घर, ज़मीन, संपत्ति जो आपने इन अन्य लोगों से चुराई है, वे उजाड़ हो जाएँगी। और यह ज़मीन जो आपने अन्य लोगों से ली है ताकि आप अपनी खुद की संपत्ति और संपत्ति और संपत्ति बढ़ा सकें, वह वैसी फ़सल पैदा नहीं करने जा रही है जैसी आपने सोची थी।

और इसलिए, यह एक अच्छा उदाहरण है कि एक भविष्यवाणीपूर्ण निर्णय भाषण में क्या शामिल होता है, आरोप और घोषणा। और अक्सर, उस भाषण में एक संबंध होता है क्योंकि सज़ा अपराध के अनुरूप होती है। वे दोषी रहे हैं, उन्होंने लोगों की ज़मीनें चुराई हैं, उन्होंने लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया है, उन्होंने लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया है।

तो, इसका परिणाम यह है कि परमेश्वर न्यायपूर्वक कार्य करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे इसका आनंद न लें। परमेश्वर के निर्णय मनमाने नहीं हैं। परमेश्वर के निर्णय यादृच्छिक नहीं हैं।

परमेश्वर के न्याय विशेष रूप से उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए उन्मुख हैं। हमारे पास छोटे भविष्यवक्ताओं, मीका अध्याय 3, श्लोक 9 से 12 में भविष्यसूचक न्याय भाषण का एक और उदाहरण है। भविष्यवक्ता कहता है: हे याकूब के घराने के प्रधानों और इस्राएल के घराने के शासकों, यह सुनो।

इसलिए, यह न्याय भाषण उन नेताओं के लिए है जो न्याय से घृणा करते हैं और जो कुछ सीधा है उसे टेढ़ा कर देते हैं, जो सिष्योन को खून से और यरूशलेम को अधर्म से बनाते हैं। इसके मुखिया रिश्वत लेकर निर्णय देते हैं, और इसके पुजारी कीमत लेकर शिक्षा देते हैं। भविष्यवक्ता पैसे के लिए भविष्यवाणियाँ करते हैं, और फिर भी वे प्रभु पर भरोसा करते हैं और कहते हैं, क्या प्रभु हमारे बीच में नहीं है? हम पर कोई विपत्ति नहीं आएगी।

और इसलिए, यहाँ अपराध है, यहाँ आरोप है। नेता भ्रष्ट रहे हैं, उन्होंने हिंसा, अन्याय, रिश्वतखोरी, बेईमानी का अभ्यास किया है। लोगों के नेता सबसे बुरे अपराधी तत्वों से बेहतर नहीं रहे हैं।

भविष्यवक्ताओं ने लाभ के लिए प्रचार किया है। और इसलिए यह आरोप है। आने वाले न्याय की घोषणा अध्याय 3, श्लोक 12 में आती है।

इसलिए, कैन की तरह, इसका परिणाम यह है। तुम्हारे कारण, सिथ्योन को खेत की तरह जोता जाएगा, यरूशलेम खंडहरों का ढेर बन जाएगा, और घर का पहाड़ जंगल की ऊँचाई बन जाएगा। इसलिए, यदि तुमने यह अपराध किया है, तो परमेश्वर अंततः यरूशलेम शहर का भी न्याय करेगा; यहाँ तक कि मंदिर पर्वत भी तुम्हारी अवज्ञा के कारण मलबे में तब्दील हो जाएगा।

और इसलिए, भविष्यवक्ताओं का संदेश, इस वाचा संबंधी संदेश का पहला भाग, यह है कि आपने पाप किया है और आपने वाचा को तोड़ा है। और हम देखते हैं कि जब वे ये आरोप लगाते हैं और जब वे लोगों पर पाप का आरोप लगाते हैं, तो वे विशेष रूप से मूसा की वाचा, 613 आज्ञाओं के उल्लंघन का उल्लेख करते हैं जो प्रभु ने इस्राएल को दी थीं। व्यवस्थाविवरण अध्याय 30 में, मूसा लोगों से कहता है कि जब यह वाचा स्थापित हो रही है, तो मैं आज स्वर्ग और पृथ्वी को साक्षी के रूप में बुला रहा हूँ।

और जब तुम देश में प्रवेश करोगे, तो वे चुपचाप तुम्हारे व्यवहार को देखेंगे कि तुम वाचा के अनुसार जीते हो या नहीं, और तुम आज्ञाओं का पालन करते हो या नहीं। यशायाह अध्याय 1 में, जब यशायाह अपना मंत्रालय शुरू करता है और जब यशायाह पहली बार लोगों को उपदेश देता है, तो वह कहता है, हे पृथ्वी सुनो, और हे आकाश सुनो। यशायाह गवाहों को वापस न्यायालय में ला रहा है।

वह कह रहे हैं, आइए इस्राएल के पिछले छह, 700 वर्षों के इतिहास पर नज़र डालें। उन्होंने आज्ञाओं का पालन कैसे किया है? उन्होंने परमेश्वर की वाचा के दायित्वों को कितनी अच्छी तरह और कितनी ईमानदारी से निभाया है? और जवाब है, उन्होंने बिल्कुल भी अच्छा नहीं किया है। और यही अभियोग का आधार है।

होशे के अध्याय 4 में, प्रभु ने एक अन्य प्रकार से भविष्यवक्ता को अभियोजन पक्ष के वकील के रूप में इस्तेमाल किया है। और होशे के अध्याय 4, आयत 1 से 3 में यह कहा गया है: हे इस्राएलियों, प्रभु का वचन सुनो। क्योंकि प्रभु का देश के निवासियों के साथ एक मुक़दमा है।

वहाँ न तो कोई सच्चाई है, न ही कोई प्रेम। देश में परमेश्वर का ज्ञान नहीं है। यहाँ शपथ खाना, झूठ बोलना, हत्या करना, चोरी करना और व्यभिचार करना है।

वे सभी सीमाएं तोड़ देते हैं, और खून-खराबे के बाद खून-खराबा होता है। यहाँ हम पाते हैं कि मूसा के कानून में पाई जाने वाली 10 आज्ञाओं में से पाँच का संदर्भ दिया गया है। यही न्याय का आधार है।

वाचा का संदेश है, तुमने पाप किया है और तुमने वाचा को तोड़ा है। उनके वाचा संदेश का दूसरा भाग है, कि तुम्हें पश्चाताप करने और पलटने की ज़रूरत है। और पुराने नियम में पश्चाताप करने का शब्द, यह शब्द है शुब, पुराने नियम के सभी भविष्यवक्ताओं में एक आम शब्द है।



हम आगे के पाठों में सीखेंगे, यह 12 की पुस्तक में सबसे अधिक बार दोहराए जाने वाले शब्दों में से एक है। और भविष्यवक्ता लोगों को जो करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, वह अंततः अपने तरीके बदलना है। यदि वे पश्चाताप करेंगे, यदि वे परमेश्वर की अवज्ञा करने, उसकी आज्ञाओं का पालन न करने के इस इतिहास से दूर हो जाएँगे, इस तथ्य के बावजूद कि उन्होंने सैकड़ों वर्षों से ऐसा किया है, यदि वे वास्तव में पश्चाताप करेंगे, तो आने वाले न्याय से बचने का अवसर है।

योएल की पुस्तक, योएल अध्याय 2, श्लोक 12 से 14, मुझे लगता है, हमें पुराने नियम के सभी भविष्यवक्ताओं में से पश्चाताप के लिए सबसे भावुक आह्वानों में से एक देता है। फिर भी, प्रभु की घोषणा है, अपने पूरे दिल से मेरे पास लौट आओ, उपवास के साथ, रोने के साथ, विलाप के साथ, अपने दिलों को फाड़ो, अपने वस्त्रों को नहीं। अपने परमेश्वर यहोवा के पास लौट आओ, क्योंकि वह अनुग्रहकारी और दयालु है, क्रोध करने में धीमा और दृढ़ प्रेम से भरपूर है, और वह विपत्ति से पछताता है।

कौन जानता है कि वह पलटेगा या नहीं और अपने पीछे आशीर्वाद, अन्नबलि और अपने परमेश्वर यहोवा के लिए अर्घ्य छोड़ जाएगा। भविष्यवक्ताओं द्वारा उन्हें पश्चाताप करने के लिए बुलाना केवल एक बाहरी बात नहीं है, केवल अपने वस्त्र न फाड़ें, केवल कुछ धार्मिक अनुष्ठान न करें, केवल कुछ बलिदान न चढ़ाएँ, वास्तव में अपने तरीके बदलें। और अगर वे ऐसा करेंगे, तो संभावना है कि उन्हें बख्शा जाएगा।

भविष्यवक्ता आमोस कहने जा रहा है, प्रभु की खोज करो और जीवित रहो। और अगर वे ऐसा करेंगे, तो न्याय से बचने का मौका है। भविष्यवाणी वाचा संदेश का तीसरा भाग यह था कि अगर पश्चाताप नहीं है, तो अंततः न्याय होगा।

और इसलिए, परमेश्वर की कृपा से, वह सिर्फ एक क्रोधित परमेश्वर नहीं है जो अपने लोगों को नष्ट करना चाहता है। वह सिर्फ एक क्रोधित परमेश्वर नहीं है जो उन्हें भस्म करना और नष्ट करना चाहता है। प्रभु उन्हें इस न्याय से बचने का एक वास्तविक अवसर देता है।

लेकिन जब पश्चाताप नहीं होता है, तो अंततः न्याय होगा। 12 छोटे भविष्यवक्ताओं की पुस्तक के माध्यम से हम जो बातें जानने जा रहे हैं, उनमें से एक यह है कि छोटे भविष्यवक्ताओं की आरंभिक पुस्तकों में पश्चाताप के आह्वान, न्याय से बचने के अवसर पर बहुत ज़ोर दिया गया है। लेकिन हम देखते हैं कि यह धीरे-धीरे बंद हो रहा है क्योंकि पश्चाताप के केवल सीमित उदाहरण हैं।

और इसलिए, एक बार जब वे अस्वीकार करते हैं, एक बार जब वे मना करते हैं, एक बार जब वे अपने तरीके से चलते रहते हैं, तो परमेश्वर अंततः न्याय करने जा रहा है। हमें भविष्यवक्ता यिर्मयाह के प्रचार में इसका एक उदाहरण मिलता है। यिर्मयाह अक्सर तरह-तरह के संकेत कार्य, नाटक करता था, और इससे लोगों को उसके संदेश को समझने में मदद मिलती थी।

और यिर्मयाह अध्याय 18 में, यिर्मयाह एक दिन कुम्हार के पास गया और कुम्हार चाक पर गीली मिट्टी के टुकड़े को आकार दे रहा था और मिट्टी खराब हो गई और कुम्हार को इसे तोड़कर फिर

से शुरू करना पड़ा। परमेश्वर इस्राएल के लोगों के साथ ऐसा करने के लिए तैयार है। वे अपने पाप के कारण बर्बाद हो गए हैं, लेकिन परमेश्वर उन्हें नया आकार देने और उन्हें सुधारने और उन्हें एक नए लोग बनाने के लिए तैयार है।

हालाँकि, यिर्मयाह 19 में, हम यिर्मयाह की सेवकाई का दूसरा पहलू देखते हैं। जब लोगों ने उस अवसर को अस्वीकार कर दिया, जब उन्होंने अपने तरीके बदलने और न्याय से बचने के अवसर को अस्वीकार कर दिया, तो अंततः यिर्मयाह कुम्हार के पास गया। उसने मिट्टी के बर्तन का एक टुकड़ा खरीदा जो पहले से ही भट्टी में पकाया हुआ था, और वह नेताओं और लोगों के सामने खड़ा हुआ, और उसने इसे ज़मीन पर पटक दिया, यह कहते हुए कि, अंततः, इस्राएल के लोगों के साथ ऐसा ही होने वाला था।

वाचा के संदेश का चौथा भाग यह है कि भविष्यवक्ताओं ने यह भी वादा किया है कि इस न्याय के होने के बाद यदि पश्चाताप नहीं किया जाता है, तो न्याय होगा। लेकिन इस न्याय के होने के बाद, अंततः पुनर्स्थापना होगी। भविष्यवक्ताओं का संदेश न्याय और उद्धार दोनों था।

हम इसे हर उस पुस्तक में देखेंगे जिसका हम अध्ययन करते हैं। न्याय है और उद्धार है। क्योंकि भले ही परमेश्वर अंततः अपने लोगों को उनकी वाचा के प्रति विश्वासघात के लिए न्याय करने जा रहा था, परमेश्वर अंततः उन्हें पुनर्स्थापित करेगा।

याद रखिए, परमेश्वर ने वाचा के वादे किए थे। परमेश्वर ने अब्राहम के लोगों को आशीर्वाद देने का वादा किया था। परमेश्वर ने उन्हें एक देश देने का वादा किया था।

परमेश्वर उन वादों को त्यागने वाला नहीं था। परमेश्वर ने दाऊद से वादा किया था: मैं अंततः तुम्हारा राज्य और तुम्हारा सिंहासन स्थापित करने जा रहा हूँ। तुम्हारे बेटे हमेशा के लिए राज करेंगे।

परमेश्वर ने उन वादों को नहीं छोड़ा है। और प्रभु इस्राएल के लोगों या उनके साथ की गई वाचा को नहीं छोड़ता। और इसलिए, सभी भविष्यवक्ताओं में, न्याय और उद्धार होने जा रहा है।

हम छोटे भविष्यवक्ताओं की अलग-अलग पुस्तकों का अध्ययन करने जा रहे हैं, लेकिन मुझे आशा है कि यहाँ शुरुआती चरणों में, हम आपको भविष्यवक्ताओं की सेवकाई के बारे में बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकते हैं। उन्हें परमेश्वर ने बुलाया था। वे परमेश्वर के प्रवक्ता थे।

वे वाचा के संदेशवाहक थे। और उस संदेश में, उन्होंने चार महत्वपूर्ण बातें कहीं। तुमने पाप किया है। तुमने वाचा तोड़ी है।

अगर ऐसा नहीं है, तो आपको पश्चाताप करना चाहिए, आपको अपने तरीके बदलने चाहिए। अगर पश्चाताप नहीं है, तो न्याय होगा। लेकिन अंत में, न्याय खत्म होने के बाद, पुनर्स्थापना होगी।

हम उन विवरणों को बार-बार देखेंगे, जैसे-जैसे हम 12 की पुस्तक के माध्यम से आगे बढ़ेंगे।

यह डॉ. गैरी येट्स द्वारा लघु भविष्यवक्ताओं पर उनके व्याख्यान श्रृंखला में है। यह व्याख्यान 1 है, भविष्यवक्ताओं की सेवकाई और संदेश।